भारत के भविष्य के निर्माण को तेज गति देने के लिए प्रतिबद्ध

508 किलोमीटर में फैला, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर देश के पश्चिम में स्थित दो वित्तीय केंद्रों यानी महाराष्ट्र तथा गुजरात के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा।

मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से शुरू होने के पश्चात, 320 किमी / घंटा की गति से चलने वाली यह हाई-स्पीड ट्रेन इस क्षेत्र में इंटरसिटी यात्रा में एक नई क्रांति लाएगी। यह इस दौरान 10 शहरों यानी ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद/नडियाद, अहमदाबाद में रुकेगी तथा इसका अंतिम पड़ाव साबरमती होगा।

इसकी पूरी यात्रा लगभग 2 घंटे 7 मिनट में बहुत कम जगहों पर रुकते हुए (सूरत, वडोदरा और अहमदाबाद) में पूरी होगी, जो अन्य ट्रेनों या सड़क मार्ग के ज़रिए यात्रा में लगने वाले समय से काफी कम है।

नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) को भारत में हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के वित्तपोषण, विनिर्माण, रखरखाव एवं प्रबंधन के उद्देश्य से कंपनी अधिनियम 2013 के तहत 12 फरवरी 2016 को निगमित किया गया था। कंपनी को रेल मंत्रालय और दो राज्य सरकारों यानी गुजरात सरकार और महाराष्ट्र सरकार के ज़रिए केंद्र सरकार द्वारा इक्विटी भागीदारी के अंतर्गत संयुक्त क्षेत्र में 'विशेष उद्देश्य वाहन' के सादृश्य बनाया गया है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना
कुल लंबाई: 508 किमी

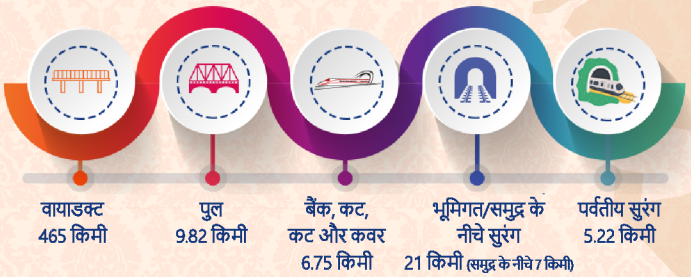

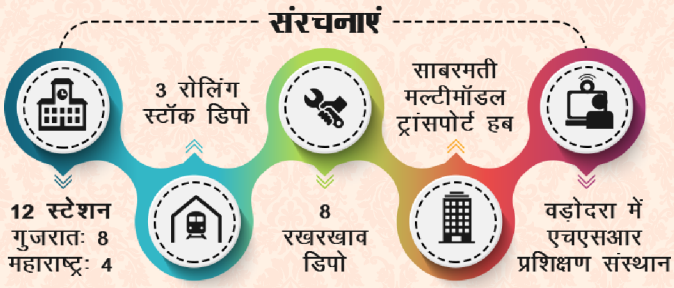

भारत में हाई स्पीड रेल प्रारम्भ करने के लाभ

एचएसआर सबसे कुशल यात्रा मोड होगा

मुंबई से अहमदाबाद (508 किमी)

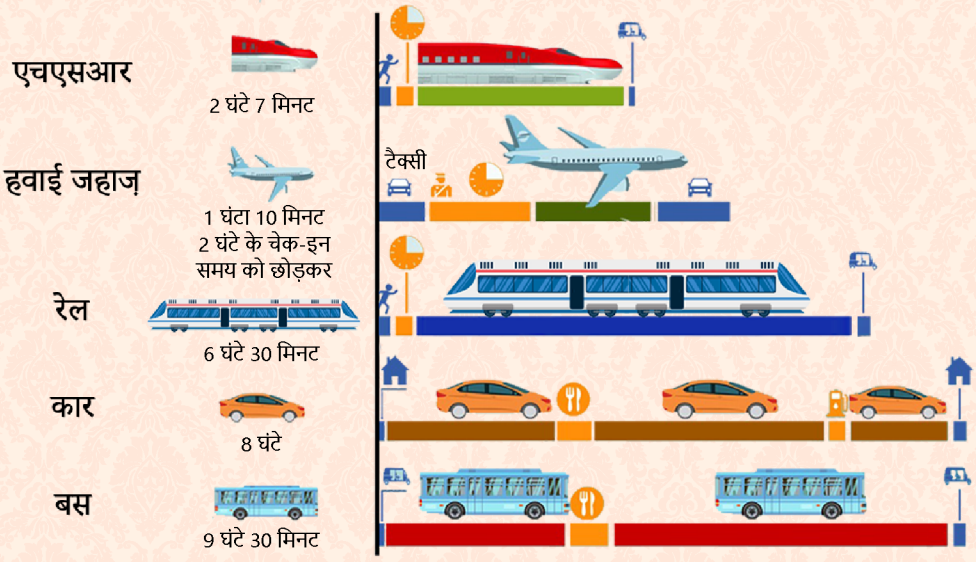

निधीयन

एमएएचएसआर परियोजना की अनुमानित लागत रु. 1,08,000 करोड़ (17 बिलियन अमेरिकी डॉलर) है, जिसे जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) से आधिकारिक विकास सहायता (ओडीए) के रुप में मिले ऋण से निष्पादित किया जाएगा।

समग्र पूंजी संरचना की बात करें तो विनिर्माण/क्रय लागत का 81% हिस्सा जापान सरकार से जेआईसीए के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा। परियोजना की शेष लागत भारत सरकार द्वारा वहन की जाएगी। विशेष-प्रयोजन वाहन की इक्विटी संरचना के अनुसार, रेल मंत्रालय के ज़रिए 50% भारत सरकार (जीओआई), और 25%-25% महाराष्ट्र सरकार और गुजरात सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

एमएएचएसआर हेतु दिए जा रहे ऋण की शर्तें रियायती हैं। यह ऋण 0.1% ब्याज दर पर 50 वर्ष की अवधि के लिए है और इसमें 15 वर्ष की अधिस्थगन अवधि भी सम्मिलित है। इसलिए ऋण की चुकौती 35 वर्षों में की जानी है।

पर्यावरण अनुकूल यात्रा

यूआईसी के आंकड़ों के मुताबिक, प्रति यूनिट ऊर्जा में यात्री द्वारा प्रति किलोमीटर तय की गई दूरी के संदर्भ में हाई-स्पीड ट्रेन परिवहन का सबसे कुशल माध्यम है। रेल परिवहन का सबसे पर्यावरण अनुकूल साधन भी है, जिसमें CO2 उत्सर्जन हवाई परिवहन के एक चौथाई से कम और सड़क परिवहन (कार) के एक तिहाई से भी कम होता है।

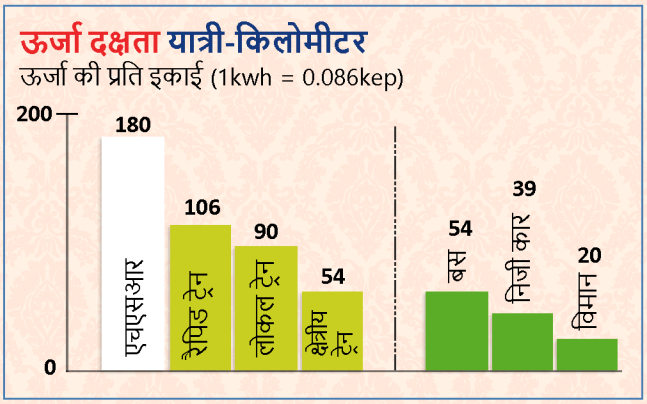

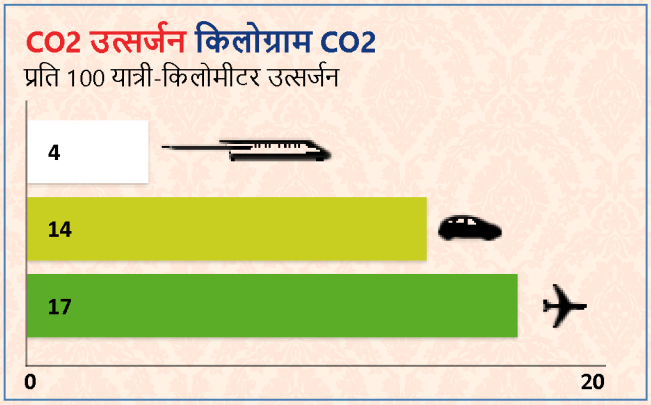

एमएएचएसआर एलिवेटेड वायाडक्ट और भूमिगत/समुद्र के नीचे सुरंग बनाकर इस क्षेत्र में मौजूद वनस्पतियों तथा जीवों को कम से कम नुकसान पहुंचे, इसका प्रयास करेगा। एचएसआर स्टेशनों और मेनटेनेंस डिपो पर सौर पैनलों का इस्तेमाल और वर्षा के पानी का संचयन परियोजना हेतु की गई कुछ महत्वपूर्ण पहल हैं। विद्त ऊर्जा की जगह नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल अधिक करने की योजना पर विचार किया जा रहा है।

सौंदर्य की दृष्टि से डिज़ाइन किए गए स्टेशन

एमएएचएसआर लाइन पर पड़ने वाले 12 स्टेशनों में से प्रत्येक का डिजाइन उस शहर की विचारधारा को प्रतिबिंबित करेगी जिसमें वह स्थित है। इससे स्थानीय आबादी के साथ जुड़ाव बढ़ेगा, और उनमें अपने यहां उच्च गति प्रणाली सुविधा उपलब्ध होने की भावना बढ़ेगी।

वास्तुकला की दृष्टि से, स्थानीय परिवेश से जुड़ाव उत्पन्न करने हेतु शहर के कुछ मूल तत्व जिन पर स्थानीय लोग गर्व महसूस करते हो, उन्हें स्टेशन का डिजाइन बनाते समय इस्तेमाल किया गया है। उदाहरण के लिए, अहमदाबाद के एचएसआर स्टेशन के सामने का हिस्सा शहर के समृद्ध सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक लोकाचार से प्रेरित है, जिसकी छत आसमान में उड़ने वाली सैकड़ों जीवंत पतंगों के लिए कैनवास जैसी बनाई गई है।

स्टेशनों को समकालीन वास्तुशिल्प तथा अत्याधुनिक फिनिश द्वारा डिजाइन किया जा रहा है।

अहमदाबाद एचएसआर स्टेशन*

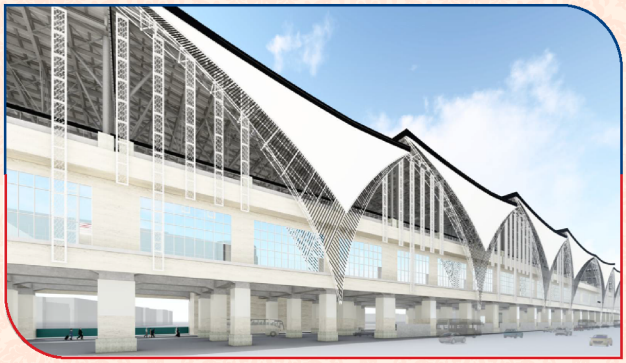
वडोदरा एचएसआर स्टेशन*

मुंबई एचएसआर स्टेशन का प्लेटफार्म दृश्य*

साबरमती मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का टर्मिनल स्टेशन होने की वजह से एनएचएसआरसीएल ने साबरमती को इस क्षेत्र के एक मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की है। एचएसआर स्टेशन के आसपास विभिन्न परिवहन साधनों के निर्बाध एकीकरण हेतु साबरमती एचएसआर स्टेशन के पूर्व की ओर एक मल्टी-मॉडल ट्रांजिट टर्मिनल बनाने की योजना है जिससे एचएसआर स्टेशन के आसपास यातायात सुचारू रुप से चल सकेगा। यह मल्टी मॉडल एकीकरण योजनाएं स्टेशन के आसपास मौजूदा तथा नियोजित पारगमन सुविधाओं के एकीकरण को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। प्रस्तावित पैसेंजर हब से एचएसआर स्टेशन, पश्चिमी रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशन और बीआरटी कॉरिडोर को एफओबी के ज़रिए कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी। यात्रियों को आने-जाने की सुविधा के लिए तीन फुट ओवर ब्रिज बनाने की योजना है।

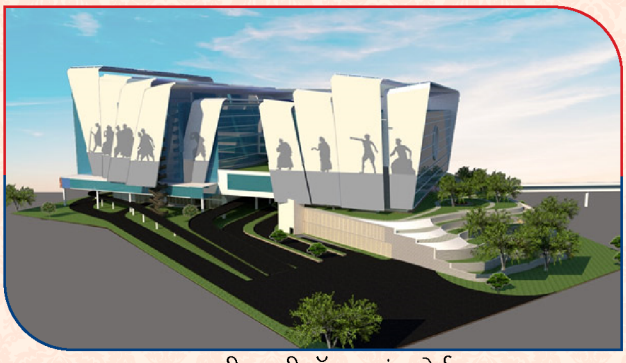
साबरमती मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब*

* चित्रमय प्रतिनिधित्व

आरामदेह यात्रा

एमएएचएसआर कॉरिडोर हेतु एचएसआर में विश्व स्तर की टेक्नोलॉजी में से एक - जापानी शिनकानसेन टेक्नोलॉजी - को चुना गया है।

शिंकानसेन प्रणाली दुनिया में सबसे सुरक्षित सुविधा प्रदान करती है - 1964 में जापान में पहली शिनकानसेन ट्रेन शुरू होने के बाद से किसी भी यात्री की मौत नहीं हुई है। प्रति ट्रेन 1 मिनट से कम के औसत समय-पालन स्तर पर दोड़ती हैं, जो पूरी तरह से त्रुटिहीन भी है।

- डबल स्किन एल्युमिनियम अलॉय बॉडी
- व्हील चेयर फिक्सिंग बेल्ट
- आरामदायक सीट बैक
- व्हील चेयर सुलभ शौचालय
- फ्लिप-अप टाइप आर्मरेस्ट
- झुकने वाला तंत्र
- एलईडी लाइटिंग सुविधा
- यात्री सूचना प्रणाली
- आवाज संचार प्रणाली
- निगरानी के लिए कैमरे
- ब्रेल साइनेज
- बहुउद्देशीय कमरे

जापान की ई5 शिंकानसेन का डिजाइन

- बैठने की क्षमता: लगभग 730 यात्री
- 3 प्रकार - मानक, व्यवसाय, प्रथम श्रेणी/ ग्रैन क्लास
- कॉन्फ़िगरेशन में 10 कारें शामिल हैं
- 1,435 मिमी. का मानक गेज
- 3,350 मिमी चौड़ा, 3,650 मिमी ऊंचा और 255 मीटर लंबा

ट्रेन तथा फ्लोर में डबल स्किन एल्युमिनियम अलॉय एयर टाइट बॉडी तथा शोर अवरोधक, बोगी पर ध्वनि अवशोषित करने वाला साइड कवर, पैंटोग्राफ के लिए शोर अवरोधक पैनल लगे होंगे, जिससे यात्रा आरामदायक होगी।

रिक्लाइनिंग सीटों को सीट लेग रेस्ट और पर्याप्त लेग स्पेस के साथ एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किया जाएगा।

यात्री आपात स्थिति में ट्रेन के चालक दल से बात कर सकेंगे। बीमार व्यक्तियों या बच्चो को दूध पिलाने वाली माताओं के लिए फोल्डिंग बेड के साथ डिब्बे में एक बहुउद्देश्यीय कमरा उपलब्ध कराया जाएगा।

विनिर्माण

508 किलोमीटर के पूरे खंड में से गुजरात राज्य के 352 किलोमीटर खंड पर काम शुरू हो चुका है और जोरों से चल रहा है। वायाडक्ट के निर्माण में तेजी लाने हेतु सेग्मेंटल लॉन्चिंग विधि के अलावा फुल स्पैन गर्डर लॉन्चिंग विधि का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। स्ट्रैडल कैरियर, गर्डर लॉन्चर तथा ट्रांसपोर्टर जैसे स्वदेशी उपकरण और मशीनरी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

कॉरिडोर के महाराष्ट्र वाले हिस्से का काम भी शुरू हो चुका है।

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

प्रकाशन
जनसंपर्क विभाग
नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल)
दूसरा फ्लोर, एशिया भवन, रोड नं.–205, सैक्टर–09, द्वारका, नई दिल्ली–110077
टेलीफोन: 011–28070000 / 01 / 02 / 03 / 04 | **वेबसाईट:** www.nhsrcl.in

हमें फॉलो करें